Sign in to edit and save changes to this file.

Kanpur, Tuesday,
25 July 2023
KANPUR EDITION
Price ₹ 3.00/-
Pages 12

दैनिक जागरण

www.inextlive.com
Published from KANPUR • Agra • Bareilly • Dehradun • Gorakhpur • Jamshedpur • Lucknow • Meerut • Patna • Prayagraj • Ranchi • Varanasi

मणिपुर मुद्दे पर संसद में हंगामा }07
संतकबीरनगर में फाइटर प्लेन के 2 फ्यूल टैंक गिरे }07

inext DYNAMIC EDITION
#EPF
#Twitter
#Manipur

कुपोषण दूर करने का हो रहा प्रयास

तेज प्रयास जरूरी

मिड डे मील की तरह कुक्ड मील उपलब्ध कराने पर चल रहा विचाप

SARWANKHEDA (24 July): संयुक्त राष्ट्र चिल्डेंस फंड का एक संगठन है जो विश्व भर में बच्चों के कल्याण के लिए कार्य करता हैं. कुपोषण को दूर करने के लिए तेज प्रयास चल रहा है यह रुकना नहीं चाहिए. यह बातें यूनिसेफ की राज्य सलाहकार मधु बनर्जी ने कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर में कही. उन्होंने संगठन की कई योजनाएं भी बताईं. उन्होंने बताया कि कुपोषण की दशा में सुधार हेतु गर्भवती, धात्री महिलाएं एवं पांच वर्ष से छोटे च्च्चों को अभी तक ड्राई किट का वितरण एवं घी, तेल, दाले इत्यादि वितरित किया जाता था. लेकिन उनके उपभोग पर अभी भी प्रश्न चिन्ह है यूनिसेफ ने मिड डे मील की भांति कुक्ड मील उपलब्ध कराने का विचार किया है.

इसी के चलते जिले में उत्पादित होने वाली फसलों की जानकारी व उनके उपभोग के बारे में चर्चा की गई.बताया गया कि केंद्र के स्थापना के बादद जिले में जायद फसल में काफी क्षेत्र बढ़ा है, इसके साथ ही नई प्रजातियों द्वारा उत्पादन में वृद्धि भी हुई है. पोषण वाटिका से भोज्य विविधता भी आई है प्रत्येक आंगनबाड़ी में गृह वाटिका लगवाई जाएगी जिससे प्रेरित हो महिलाएं अपने घरों में लगा कर भोज्य विविधता लाकर कुपोषण से मुक्ति पा सकेंगी.इससे न सिर्फ महिलाएं बल्कि हमारे नौनिहाल भी स्वस्थ रहेंगे.

स्वस्थ नई पीढ़ी बनेगी और देश खुशहाल रहेगा. इस दौरान विज्ञानी डा. खलील खान, डा. राजेश राय, डा. शशिकांत, डा. निमिषा अवस्थी के साथ शीष शुक्ला, व बाल विकास परियोजना अधिकारी, विकास खंड मैथा सुमनलता रहीं.

भ्रमण के दौरान वैज्ञानिक व अन्य।

केवीके का किया भ्रमण, परिचर्चा की

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 24 जुलाई। राज्य सलाहकार यूनाइटेड नेशन्स चिल्ड्रेन्स फंड की ओर से बेसिक शिक्षा विभाग की तरह आंगनवाड़ी केंद्र पर भी बने बनाये भोजन की व्यवस्था हेतु कानपुर देहात में भोज्य पदार्थो के उत्पादन एवम उपभोग का पैटर्न जानने हेतु युनिसेफ की राज्य सलाहकार सुश्री मधु बनर्जी ने कृषि विज्ञान केंद्र, कानपुर देहात का भ्रमण कर परिचर्चा की । परिचर्चा में सुश्री बनर्जी ने बताया की कुपोषण की दशा में सुधार हेतु गर्भवती, धात्री महिलाएं एवम पाँच वर्ष से छोटे बज्जों को अभी तक ड्राई किट का वितरण एवम रॉ मटेरियल जैसे घी, तेल, दाले इत्यादि वितरित किया जाता था, किन्तु उनके उपभोग पर अभी भी प्रश्न चिन्ह है अतः युनिसेफ ने मिड डे मील की भाँति कुक्ड मील उपलब्ध कराने का विचार किया। पोषण वाटिका से भोज्य विविधता भी आई है। अतः प्रत्येक आंगनवाड़ी में गृह वाटिका लगवाई जाए जिससे प्रेरित हो महिलाएं अपने घरों में लगा कर भोज्य विविधता लाकर कुपोषण से मुक्ति पा सकती हैं । परिचर्चा में केंद्र के वैज्ञानिक डॉ खलील खान, डॉ राजेश राय, डॉ शशिकांत, डॉ, निमिषा अवस्थी, बाल विकास परियोजना अधिकारी, विकास खंड मैथा श्रीमती सुमन लता इत्यादि उपस्थित रहे।

Title-code: UPHIN-48963

E-mail: jksingh.hardoi@gmail.com

सत्य का असर

समाचार पत्र

25,07,2023 jksingh.hardoi@gmail.com मोबाइल 9956834016

राज्य सलाहकार यूनाइटेड नेशन्स चिल्ड्रेन्स फंड" ने किया कृषि विज्ञान केंद्र का भ्रमण

पत्रकार जीतेंद्र सिंह पटेल

राज्य सलाहकार यूनाइटेड नेशन्स चिल्ड्रेन्स फंड" ने किया कृषि विज्ञान केंद्र का भ्रमण* संयुक्तराष्ट्र संघ का एक संगठन है जो विश्व भर में बच्चों के कल्याण के लिए कार्य करता हैं। बेसिक शिक्षा विभाग की तरह आंगनवाड़ी केंद्र पर भी बने बनाये भोजन की व्यवस्था हेतु कानपुर देहात में भोज्य पदार्थो के उत्पादन एवम उपभोग का पैटर्न जानने हेतु युनिसेफ की राज्य सलाहकार सुश्री मधु श्री बनर्जी ने कृषि विज्ञान केंद्र, कानपुर देहात का भ्रमण कर परिचर्चा की । परिचर्चा में सुश्री बनर्जी ने बताया की कुपोषण की दशा में सुधार हेतु गर्भवती, धात्री महिलाएं एवम पाँच वर्ष से छोटे बच्चो को अभी तक ड्राई किट का वितरण एवम रॉ मटेरियल जैसे घी, तेल, दाले इत्यादि वितरित किया जाता था, किन्तु उनके उपभोग पर अभी भी प्रश्न चिन्ह है अतः युनिसेफ ने मिड डे मील की भाँति कुक्ड मील उपलब्ध कराने का विचार किया, इसी के चलते सुश्री बनर्जी ने कानपुर देहात में उत्पादित होने वाली फसलों की जानकारी व उनके उपभोग के बारे में चर्चा की। परिचर्चा में केंद्र के प्रभारी ने बताया की 18 साल से यह केंद्र जिले में काम कर रहा है, इसके परिणामस्वरूप जिले में जायद में काफी एरिया बढ़ा है, इसके साथ ही नई प्रजातियों द्वारा उत्पादन में वृद्धि भी हुई है। पोषण वाटिका से भोज्य विविधता भी आई है। अतः प्रत्येक आंगनवाड़ी में गृह वाटिका लगवाई जाए जिससे प्रेरित हो महिलाएं अपने घरों में लगा कर भोज्य विविधता लाकर कुपोषण से मुक्ति पा सकती हैं । परिचर्चा में केंद्र के वैज्ञानिक डॉ खलील खान, डॉ राजेश राय, डॉ शशिकांत, डॉ, निमिषा अवस्थी के साथ श्री आशीष शुक्ला, व बाल विकास परियोजना अधिकारी, विकास खंड मैथा श्रीमती सुमन लता इत्यादि उपस्थित रहे।

Sign in to edit and save changes to this file.

वोटर बहुत होशियार है, लालच में नहीं... 12

राज्यमंत्री संजय गंगवार ने कावड़ यात्रियों का किया... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्षः 14 | अंकः 281
मूल्यः ₹3.00/-
पेज : 12
मंगलवार | 25 जुलाई, 2023

राज्य सलाहकार यूनाइटेड नेशंस चिल्ड्रन फंड के सदस्यों ने कृषि विज्ञान केंद्र का किया भ्रमण

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

राज्य सलाहकार यूनाइटेड नेशन्स चिल्ड्रेन्स फंड द्वारा बीते दिन सोमवार को कृषि विज्ञान केंद्र का भ्रमण किया गया। बताते चलें कि यह संयुक्तराष्ट्र संघ का एक संगठन है जो विश्व भर में बच्चों के कल्याण के लिए कार्य करता हैं। बेसिक शिक्षा विभाग की तरह आंगनवाड़ी केंद्र पर बनाए गए भोजन की व्यवस्था के लिए कानपुर देहात में भोज्य पदार्थो के उत्पादन एवं उपभोग के पैटर्न की जानकारी के लिए युनिसेफ की राज्य सलाहकार मधु श्री बनर्जी ने कृषि विज्ञान केंद्र, कानपुर देहात का भ्रमण किया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि कुपोषण की दशा में सुधार के लिए गर्भवती, धात्री महिलाएं एवम पाँच वर्ष से छोटे बच्चो को अभी तक ड्राई किट का वितरण एवं रॉ मटेरियल जैसे घी, तेल, दाले इत्यादि वितरित किया जा रहा था, परंतु अब युनिसेफ ने मिड डे मील की तरह कुक्ड मील उपलब्ध कराने का विचार किया है इसी के चलते बनर्जी ने कानपुर देहात में उत्पादित होने वाली फसलों की जानकारी व उनके उपभोग के बारे में चर्चा की। परिचर्चा में केंद्र के प्रभारी ने बताया कि यह केंद्र जिले में 18 वर्षों से काम कर रहा है जिसके परिणाम स्वरूप जिले में जायद में काफी एरिया बढ़ा है और नई प्रजातियों द्वारा उत्पादन में वृद्धि भी हुई है। परिचर्चा में केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. खलील खान, डॉ. राजेश राय, डॉ. शशिकांत, डॉ. निमिषा अवस्थी आदि मौजूद रहे।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 27 कानपुर, मंगलवार 25 जुलाई 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

युनिसेफ राज्य सलाहकार ने कृषि विज्ञान केन्द्र का भ्रमण कर की परिचर्चा

कानपुर । संयुक्तराष्ट्र संघ का एक संगठन है जो विश्व भर में बच्चों के कल्याण के लिए कार्य करता हैं। बेसिक शिक्षा विभाग की तरह आंगनवाड़ी केंद्र पर भी बने बनाये

भोजन की व्यवस्था हेतु कानपुर देहात में भोज्य पदार्थो के उत्पादन एवम उपभोग का पैटर्न जानने हेतु युनिसेफ की राज्य सलाहकार मधु बनर्जी ने कृषि विज्ञान केंद्र, कानपुर देहात का भ्रमण कर परिचर्चा की । परिचर्चा में बनर्जी ने बताया की कुपोषण की दशा में सुधार हेतु गर्भवती, धात्री महिलाएं एवम पाँच वर्ष से छोटे बच्चो को अभी तक ड्राई किट का वितरण एवम रॉ मटेरियल जैसे घी तेल, दाले इत्यादि वितरित किया जाता था, किन्तु उनके उपभोग पर अभी भी प्रश्न चिन्ह है अत: युनिसेफ ने मिड डे मील की भाँति कुक्ड मील उपलब्ध कराने का विचार किया, इसी के चलते मधू बनर्जी ने कानपुर देहात में उत्पादित होने वाली फसलों की जानकारी व उनके उपभोग के बारे में चर्चा की। परिचर्चा में केंद्र के प्रभारी ने बताया की 18 साल से यह केंद्र जिले में काम कर रहा है, इसके परिणाम स्वरूप जिले में जायद में काफी एरिया बढ़ा है, इसके साथ ही नई प्रजातियों द्वारा उत्पादन में वृद्धि भी हुई है। पोषण वाटिका से भोज्य विविधता भी आई है। अत: प्रत्येक आंगनवाड़ी में गृह वाटिका लगवाई जाए जिससे प्रेरित हो महिलाएं अपने घरों में लगा कर भोज्य विविधता लाकर कुपोषण से मुक्ति पा सकती हैं । परिचर्चा में केंद्र के वैज्ञानिक डॉ खलील खान, डॉ राजेश राय, डॉ शशिकांत, डॉ, निमिषा अवस्थी के साथ आशीष शुक्ला, व बाल विकास परियोजना अधिकारी, विकास खंड मैथा सुमन लता इत्यादि उपस्थित रहे।

Sign in to edit and save changes to this file.

(हिन्दी दैनिक) R.N.I. No. Uttnin/2018/76731

(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)

दि ग्राम टुडे

उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित

वर्ष : 04 अंक : 311 देहरादून, मंगलवार, 25 जुलाई 2023 मूल्य : 2 रुपये पृष्ठ - 8

राज्य सलाहकार यूनाइटेड नेशन्स चिल्ड्रेन्स फंड ने किया कृषि विज्ञान केंद्र का भ्रमण

दि ग्राम टुडे, कानपुर।
(संजय मौर्य)

आपको बता दे कि संयुक्तराष्ट्र संघ का एक संगठन है जो विश्व भर में बच्चों के कल्याण के लिए कार्य करता हैं। बेसिक शिक्षा विभाग की तरह आंगनवाड़ी केंद्र पर भी बने बनाये भोजन की व्यवस्था हेतु कानपुर देहात में भोज्य पदार्थो के उत्पादन एवम उपभोग का पैटर्न जानने हेतु युनिसेफ की राज्य सलाहकार मधु श्री बनर्जी ने कृषि विज्ञान केंद्र, कानपुर देहात का भ्रमण कर परिचर्चा की । परिचर्चा में सुश्री बनर्जी ने बताया की कुपोषण की दशा में सुधार हेतु गर्भवती, धात्री महिलाएं एवम पाँच वर्ष से छोटे बच्चो को अभी तक ड्राई किट का वितरण एवम रॉ मटेरियल जैसे घी, तेल, दाले इत्यादि वितरित किया जाता था, किन्तु उनके उपभोग पर अभी भी प्रश्न चिन्ह है अतः युनिसेफ ने मिड डे मील की भाँति कुक्ड मील उपलब्ध कराने का विचार किया, इसी के चलते सुश्री बनर्जी ने कानपुर देहात में उत्पादित होने वाली फसलों की जानकारी व उनके उपभोग के बारे में चर्चा की। परिचर्चा में केंद्र के प्रभारी ने बताया की 18 साल से यह केंद्र जिले में काम कर रहा है, इसके परिणामस्वरूप जिले में जायद में काफी एरिया बढ़ा है, इसके साथ ही नई प्रजातियों द्वारा उत्पादन में वृद्धि भी हुई है। पोषण वाटिका से भोज्य विविधता भी आई है। अतः प्रत्येक आंगनवाड़ी में गृह वाटिका लगवाई जाए जिससे प्रेरित हो महिलाएं अपने घरों में लगा कर भोज्य विविधता लाकर कुपोषण से मुक्ति पा सकती हैं । परिचर्चा में केंद्र के वैज्ञानिक डॉ खलील खान, डॉ राजेश राय, डॉ शशिकांत, डॉ, निमिषा अवस्थी के साथ श्री आशीष शुक्ला, व बाल विकास परियोजना अधिकारी, विकास खंड मैथा सुमन लता इत्यादि उपस्थित रहे।

रहस्य संदेश

RNI. NO. UPHIN/2007/20715

202 लखनऊ एंव एटा से प्रकाशित, मंगलवार, 25 जुलाई, 2023 पृष्ठः 8 मूल्य

राज्य सलाहकार यूनाइटेड नेशन्स चिल्ड्रेन्स फंड ने किया कृषि विज्ञान केंद्र का भ्रमण

अनवर अशरफ ।संयुक्तराष्ट्र संघ का एक संगठन है जो विश्व भर में बच्चों के कल्याण के लिए कार्य करता हैं। बेसिक शिक्षा विभाग की तरह आंगनवाड़ी केंद्र पर भी बने बनाये भोजन की व्यवस्था हेतु कानपुर देहात में भोज्य पदार्थो के उत्पादन एवम उपभोग का पैटर्न जानने हेतु युनिसेफ की राज्य सलाहकार सुश्री मधु श्री बनर्जी ने कृषि विज्ञान केंद्र, कानपुर देहात का भ्रमण कर परिचर्चा की । परिचर्चा में सुश्री बनर्जी ने बताया की कुपोषण की दशा में सुधार हेतु गर्भवती, धात्री महिलाएं एवम पाँच वर्ष से छोटे बच्चो को अभी तक ड्राई किट का वितरण एवम रॉ मटेरियल जैसे घी, तेल, दाले इत्यादि वितरित किया जाता था, किन्तु उनके उपभोग पर अभी भी प्रश्न चिन्ह है अतः युनिसेफ ने मिड डे मील की भाँति कुक्ड मील उपलब्ध कराने

का विचार किया, इसी के चलते सुश्री बनर्जी ने कानपुर देहात में उत्पादित होने वाली फसलों की जानकारी व उनके उपभोग के बारे में चर्चा की। परिचर्चा में केंद्र के प्रभारी ने बताया की 18 साल से यह केंद्र जिले में काम कर रहा है, इसके परिणामस्वरूप जिले में जायद में काफी एरिया बढ़ा है, इसके साथ ही नई प्रजातियों द्वारा उत्पादन में वृद्धि भी हुई है। पोषण वाटिका से भोज्य विविधता भी आई है। अतः प्रत्येक आंगनवाड़ी में गृह वाटिका लगवाई जाए जिससे प्रेरित हो महिलाएं अपने घरों में लगा कर भोज्य विविधता लाकर कुपोषण से मुक्ति पा सकती हैं । परिचर्चा में केंद्र के वैज्ञानिक डॉ खलील खान, डॉ राजेश राय, डॉ शशिकांत, डॉ, निमिषा अवस्थी के साथ श्री आशीष शुक्ला, व बाल विकास परियोजना अधिकारी, विकास खंड मैथा श्रीमती सुमन लता इत्यादि उपस्थित रहे।